079 सूरह नाज़िआत. का मुख्तसर लफ्ज़ो मे खुलासा.

नोट.- ये PDF कोई भाषा या व्याकरण नही हे,
बल्कि दीन-ए-इस्लाम को समझने के लिये हे.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम.

» अल्लाह के फरिश्ते और उन्की जिम्मेदारीयां, मूसा (अल) और फिरौन, कायनात का आंखों देखा हाल और जन्नत व दोज़ख का बयान.

• **फरिश्तों की जिम्मेदारीयां, मूसा (अल) और फिरौन.-** हवाओं और बादलों के निजाम की कसम के साथ फरमाया की जिस जात के हाथ मे इन तमाम चिज़ो का इन्तेजाम हे वोह जरूर कयामत काइम फर्मयेंगा. जब पहली बार और फिर दूसरी बार सूर फूंका जायेंगा. उस वक्त कयामत का इन्कार करने वाले बहुत जलील होंगे. आज ये कहते हे की जब हमारी हड्डियां चुरा चुरा हो जायेंगी तो क्या दोबारा ज़िन्दा किये जायेंगा. उन्को बतादें की यकीनन ज़िन्दा होंगे और तुम्हारा ये लौटना बडे नुकसान का सबब होगा. एक ही ज़ोरदार चीख से तुम अल्लाह के सामने पेश हो जावोगे. हज़रत मूसा (अल) और फिरौन की तारीख तुम्हारे सामने हे के अल्लाह के बन्दों किस तरह कामयाब होते हे और इन्कार करने वाले किस तरह ज़लील होते हे. मूसा (अल) को नबूवत अता फरमा कर फिरौन की तरफ भेजा गया तो फिरौन ने आपकी बात ना मानी. उस्को अल्लाह तआला ने दुनिया और आखिरत के अज़ाब मे मुबतला कर दिया.

• **इन्कार करने वालों की सज़ा और मोमिनों का सवाब.-** कयामत का इन्कार करने वाले गोर करे क्या अज़ीम और ज़बरदस्त अल्लाह के लिये इन्का पैदा करना मजबूत आसमानों की तशकील (गठन करने, आकार देने) से जियादा मुश्किल हे. उस्ने रात दिन का निजाम काइम फरमाया. ज़मीन बिछाई. पहाड काइम किये. इस्मे तुम्हारे जीने का सामान हे. जब तोडफोड देने वाली कयामत की घडी आयेगी. उस दिन इन्सान अपने किये को याद करेगा. नाफरमान दुनिया को आखिरत पर फज़ीलत देने वाले जहन्नम मे होंगे. दूसरी तरफ अपने रब से डरने वाले और नाजायज़ ख्वाहिशों के पीछे ना चलने वाले जन्नत मे होंगे. आखिर मे हुज़ूरﷺ को तसल्ली दी गई हे ये लोग आप्को परेशान करने के लिये कयामत की तारीख पूछते हे. आप उन्की बातों पर ध्यान ना करे आप्का काम कयामत का काइम करना नही हे, उस्के बारे मे लोगों को खबरदार करना हे. आज इन्को कयामत बहुत दूर मालूम होती हे, मगर जब ये लोग उस्को देखेंगे, तो मेहसूस करेंगे के दुनिया मे एक शाम या एक सुबह से जियादा नही रहे.

खुलासा मज़ामीने कुरान उर्दू किताब. | मौलाना मलिक अब्दुर्रउफ साहब.